This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 7828

Unique Paper Code : 62131116 GC

Name of the Paper : **Upanisad and Gita**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit Language—B**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be wirtten in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

भाग 'क'

(Part 'A')

1. ईशावास्योपनिषद् के अनुसार 'ईश्वर' की संकल्पना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए । 10

Elaborate the concept of ईश्वर according to ईशावास्योपनिषद्.

अथवा

(*Or*)

ईशावास्योपनिषद् की शिक्षाओं को अपने शब्दों में लिखिए ।

Write the teaching of ईशावास्योपनिषद् in your own words.

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 7½+7½=15

Explain any *two* of the following :

(क) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छत ँ समाः ।
एवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे ॥

(ख) असुर्या नाम ते लोका अन्धेन तमसाऽऽवृताः ।
ता ँ स्ते प्रेत्याभिगच्छन्ति ये के चात्महनो जनाः ॥

(ग) अनेजदेकं मनसो जवीयो नैनद्देवा आप्नुवन् पूर्वमर्षत् ।
तद्धावतोऽन्यानत्येति तिष्ठत्तस्मिन्नपो मातरिश्वा दधाति ॥

(घ) विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभय ँ सह ।
अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते ॥

भाग 'ख'

(Part 'B')

3. गीता के द्वितीय अध्याय में श्रीकृष्ण ने आत्मा के स्वरूप को कैसे समझाया है ? 10

How has Sri Krisna explained आत्मा in the second chapter of Gita ?

अथवा

(*Or*)

गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर निष्काम कर्म का वर्णन कीजिए ।

Describe निष्काम कर्म on the basis of the second chapter of Gita.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 8+8=16

Explain any *two* of the following :

(क) कार्पण्यदोषोपहतस्वभावः पृच्छामि त्वां धर्मसम्मूढचेताः ।
यच्छ्रेयः स्यान्निश्चितं ब्रूहि तन्मे शिष्यस्तेऽहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम् ॥

(ख) सुखदु:खे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ ।

ततो युद्धाय युज्यस्व नैवं पापमवाप्स्यसि ॥

(ग) इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते ।

तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि ॥

(घ) कुतस्त्वा कश्मलमिदं विषमे समुपस्थितम् ।

अनार्यजुष्टमस्वर्ग्यमकीर्तिकरमर्जुन ॥

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 6+6=12

Write short notes on any *two* of the following :

योग, स्थितप्रज्ञ, समत्व बुद्धि, इन्द्रियाँ ।

भाग 'ग'

(Part 'C')

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 6+6=12

Write short notes on any *two* of the following :

ब्रह्म, कर्म, सृष्टि, परमात्मा ।